Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

9th Convocation

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-03-2023**

केविवि दीक्षांत समारोह • लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक : पूर्व राज्यपाल

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएच.डी., 18 को एमफिल और 1013 को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस दौरान असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा पहुंचे। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई। मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन 'पैकेज' प्राप्त करना नहीं हो सकता है। अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसक्षम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को श्रेष्ठ बनाए, यही मेरी कामना है।

किसी ने अपने गुरुजनों को किसी ने परिवार को दिया अपनी सफलता का श्रेय

हकेवि में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

- समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचंभित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है।
- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया । उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।
- बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व शिक्षकों को समर्पित किया ।
- एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलब्धि यकीनन खुशी प्रदान कर रही है।
- बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी मां को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है।
- शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की।
- पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश हूं। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुंच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।

यह दिन विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगा : प्रो. टंकेश्वर

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 30-03-2023**

लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत बहुत आवश्यक : प्रो. जगदीश मुखी

असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी बने मुख्य अतिथि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षा समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षा समारोह में शामिल हुए। दीक्षा समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई।

मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि डिग्री हासिल के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है, अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी। विशिष्ट अतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षा समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे। विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में एलओसीएफ, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया।

दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के साथ कुलपति व विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्य ●

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीयाक में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 18 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 30-03-2023**

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक: प्रो. जगदीश

हकेंवि के नौवें दीक्षांत समारोह में 1013 छात्रों को डिग्री वितरित

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएचडी, 18 को एमफिल व 1013 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति तथा मेहनत से इसे हासिल करें। विशिष्ट अतिथि प्रो. कैलाशचंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन पैकेज प्राप्त करना नहीं हो सकता है। उन्होंने छात्रों का उत्साह भी बढ़ाया।

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के साथ कुलपति व विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्य। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए। फोटो: हरिभूमि

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 छात्रों को मिली उपाधियां

हकेंवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीवॉक में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएचडी व 18 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598

अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति

अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाशचंद्र शर्मा व सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में नए काम किए जा रहे है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 30-03-2023**

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर

कुलपति का आभार

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सफलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने कुलपति का आभार जताया।

मार्गदर्शन से सफलता

बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं।

पढ़ाई पर रहा ध्यान

एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है

बहुत बड़ी सफलता

बीवोक बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनित ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि उ न के मार्गदर्शन से सफलता मिली।

ये बोले विद्यार्थी

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचम्भित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है।

पढ़ाई के दौरान नया सीखा

शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा।

शिक्षकों की मेहनत का नतीजा

पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि वह इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश है। दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुंच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व अभिभावकों को समर्पित है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 30-03-2023**

हकेंवि का 9वां दीक्षांत समारोह

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक: प्रो. जगदीश मुखी

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिले स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़, 29 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के 9वें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार 29 मार्च को हुआ।

इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि वह समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हैं।

साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहते हैं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें।

शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गण्यमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपाधि विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई

दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के साथ कुलपति, विशिष्ट अतिथि व अन्य गण्यमान्य।

1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिलीं उपाधियां व स्वर्ण पदक

हकेंवि के 9वें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टैक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

विद्यार्थी जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं

उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के 3 आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है।

उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaja Samaj **Date: 30-03-2023**

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक : प्रो. जगदीश मुखी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार 29 मार्च को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल माननीय प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी। समस्त विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना भरी होनी चाहिए और इसे अपने आचरण से भी प्रदर्शित करना चाहिए। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए।

विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन डिग्रीकेंद्रित प्राप्त करना नहीं हो सकता है। अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसक्षम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को श्रेष्ठ बनाए, यही मेरी कामना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे।

विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में एलओसीएफ, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 30-03-2023**

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचम्भित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है। भविष्य में भी वह इसी तरह सर्वोत्तम के लिए प्रयास करती रहेगी।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सफलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनित ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन व निर्देशन में ही सफलता का यह सफर पूर्ण हुआ है।

एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलब्धि यकीनन खुशी प्रदान कर रही है।

बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी मां को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की। पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश हूं। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुंच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल डेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 30-03-2023**

लक्ष्य प्राप्ति के लिए केवल दो गुरु मंत्र प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत : प्रो. जगदीश मुखी

- हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी
- 43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएच.डी., 18 को एम.फिल. और 1013 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुढ़ियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार 29 मार्च को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल माननीय प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी। समस्त विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना भरी होनी चाहिए और इसे अपने आचरण से भी प्रदर्शित करना चाहिए। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन 'पैकेज' प्राप्त करना नहीं हो सकता है। अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसक्षम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को श्रेष्ठ बनाए, यही मेरी कामना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे। विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में एलओसीएफ, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। मंच का कुशल संचालन डॉ रिंकुयादव एवम डॉ पूजा यादव ने किया। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, दिल्ली से प्रो आरपी तुलसीयान, वरिष्ठ पत्रकार अतुल सिंघल, श्रद्धानंद कॉलेज दिल्ली से टेकचंद, डॉ राजेश गुप्ता एचओडी फिज़िक्स, प्रो रणबीर सिंह एचओडी पर्यटन, डॉ विनोद एचओडी ज्योग्राफी, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी शैलेंद्र , विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 30-03-2023**

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचम्भित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है। भविष्य में भी वह इसी तरह सर्वोत्तम के लिए प्रयास करतीं रहेंगी।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सफलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनित ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व

शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन व निर्देशन में ही सफलता का यह सफर पूर्ण हुआ है।

एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलब्धि यकीनन खुशी प्रदान कर रही है।

बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी माँ को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की।

पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश हूँ। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुँच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।